राजनीति विज्ञान कक्षा 10वीं

अध्याय - 4

''जाति, धर्म और लैंगिक मसले''

स्मरणीय बातें :-

1. श्रम का लैंगिक विभाजन - लिंग के आधार पर काम का बँटवारा। जैसे- घर के अंदर के अधिकतर काम औरतें करती हैं।
2. नारीवादी - औरत और मर्द दोनों के लिए एक समान अधिकारों की माँग करना या नारी सशक्तिकरण की माँग।
3. स्वीडन, नार्वे और फिनलैंड जैसे देशों में सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी का स्तर काफी ऊँचा है।
4. पितृ-प्रधान समाज - ऐसा समाज जिसमें परिवार का मुखिया पिता होता है और उन्हें औरतों की तुलना में अधिक अधिकार होता है।
5. 2001 की जनगणना के अनुसार भारत में पुरूष साक्षरता की दर 76 प्रतिशत तथा महिलाओं में साक्षरता की दर 54 प्रतिशत थी।
6. 2001 की जनसंख्या के अनुसार भारत में लिंग अनुपात 927 थी।
7. लोकसभा में महिला सांसदों का प्रतिनिधित्व 10 प्रतिशत से भी कम है जबकि राज्य विधान सभाओं में उनका प्रतिनिधित्व 5 प्रतिशत से भी कम है।
8. भारत के ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों में महिलाओं की संख्या 10 लाख से ज्यादा है।
9. पारिवारिक कानून - विवाह, तलाक, गोद लेना और उत्तराधिकार जैसे परिवार से जुड़े मसलों से संबंधित कानून।
10. साम्प्रदायिकता - जब किसी धर्म के मानने वाले लोग अपने धर्म को दूसरों के धर्मों से श्रेष्ठ समझने लगते हैं।

11. धर्मनिरपेक्षता - ऐसी व्यवस्था जिसमें राज्य का अपना कोई धर्म नहीं होता। सभी धर्मों को एक समान महत्व दिया जाता है तथा नागरिकों को किसी भी धर्म को अपनाने की आजादी होती है।

12. वर्ण व्यवस्था - विभिन्न जातीय समूहों का समाज में पदानुक्रम।

13. सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार - किसी राज्य में एक निश्चित आयु के बाद सभी लोगों को एक समान मत देने का अधिकार।

14. जातिवाद - जाति के आधार पर लोगों में भेदभाव करना।

1 अंक वाले प्रश्न :-

1. समाज द्वारा स्त्री और पुरूष को दी गई असमान भूमिकाएँ क्या कहलाती हैं ?

2. भारत में औरतों के लिए आरक्षण की व्यवस्था किन प्रतिनिधि संस्थाओं में है ?

3. 2001 की जनगणना के अनुसार भारत के किन राज्यों में लिंगानुपात 800 से भी कम है ?

4. स्थानीय सरकारों में महिलाओं के लिए कितने प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था है ?

5. लिंगानुपात किस कहते हैं ?

6. 'धर्म को राजनीति से कभी भी अलग नहीं किया जा सकता' - ये शब्द किसने कहे हैं ?

7. एक ऐसे समुदाय के लोग जो साधारतया पहाड़ी और जंगली क्षेत्रों में रहते हैं और जिनका बाकी समाज से अधिक मेल जोल नहीं है, क्या कहते हैं ?

8. उस प्रक्रिया को क्या कहते हैं जिसमें लोग ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर पलायन करते हैं ?

3/5 अंक वाले प्रश्न :-

1. जीवन में उन विभिन्न पहलुओं का जिक्र करें जिनमें भारत में स्त्रियों के साथ भेदभाव होता है।
2. जाति के आधार पर भारत में चुनावी नतीजे तय नहीं किये जा सकते। कारण लिखिए।
3. भारत को एक धर्म निरपेक्ष राज्य बनाने वाले विभिन्न प्रावधान कौन-कौन से हैं ?
4. भारत सरकार ने नारी असमानता को दूर करने के लिए क्या कदम उठाए हैं ?
5. बताइए कि भारत में किस तरह अभी भी जातिगत असमानताएँ जारी हैं ?
6. साम्प्रदायिक राजनीति के विभिन्न रूपों का वर्णन करें।
7. नारीवादी आंदोलन किस कहते हैं ? इसकी विशेषताओं और प्रभाव को बताइए ?
8. भारत में स्वतंत्रता के उपरांत महिलाओं की स्थिति में कुछ सुधार हुए हैं परंतु वे अभी भी पुरूषों से काफी पीछे हैं। इस कथन को विभिन्न तथ्यों और साक्ष्यों से समझाइए।
9. अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जनजातियों की विशेषताएँ लिखिए। देश की आबादी में उनके प्रतिशत क्या हैं ?
10. भारत में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बहुत कम है। कारण बताइए।

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. लैंगिक विभाजन।
2. पंचायती राज की संस्थाओं में।
3. पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और गुजरात।

4. 33 प्रतिशत

5. प्रति 1000 पुरूषों पर महिलाओं की संख्या।

6. महात्मा गाँधी।

7. अनुसूचित जनजाति।

8. शहरीकरण।

3/5 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. 1) महिलाओं के ऊपर पूरा घरेलू दायित्व।
   2) पुरूषों का अत्यधिक नियंत्रण।
   3) व्यवस्थापिकाओं में कम प्रतिनिधित्व।
   4) कन्या भ्रूण हत्या
   5) स्त्री शिक्षा को कम महत्व।
   6) पारिश्रमिक वितरण में असमानता।

2. 1) मतदाताओं में जागरूकता - कई बार मतदाता जातीय भावना से ऊपर उठकर मतदान करते हैं।
   2) मतदाताओं द्वारा अपने आर्थिक हितों और राजनीतिक दलों को प्राथमिकता।
   3) किसी एक संसदीय क्षेत्र में किसी एक जाति के लोगों का बहुमत न होना।
   4) मतदाताओं द्वारा विभिन्न आधारों पर मतदान करना।

3. 1) भारत का कोई राजकीय धर्म नहीं है।
   2) भारत में सभी धर्मों को एक समान महत्व दिया गया है।

3) प्रत्येक नागरिक को अपनी इच्छानुसार किसी भी धर्म को अपनाने की स्वतंत्रता है।

4) भारतीय संविधान धार्मिक भेदभाव को असंवैधानिक घोषित करता है।

4. 1) दहेज को अवैध घोषित करना।

2) पारिवारिक सम्पत्तियों में स्त्री-पुरूष को बराबर हक।

3) कन्या भ्रूण हत्या को कानूनन अपराध घोषित करना।

4) समान कार्य के लिए समान पारिश्रमिक का प्रावधान।

5) नारी शिक्षा पर विशेष जोर देना।

6) बेटी पढ़ाओ, देश बढ़ाओ जैसी योजना।

5. 1) आज भी हमारे देश में कुछ जातियों के साथ अछूतों जैसा बर्ताव किया जाता है।

2) आज भी अधिकतर लोग अपनी जाति या कबीले में विवाह करते हैं।

3) कुछ जातियाँ अधिक उन्नत हैं तो कुछ खास जातियाँ अत्यधिक पिछड़ी हुई।

4) कुछ जातियों का अभी भी शोषण हो रहा है।

5) चुनाव अथवा मंत्रिमंडल के गठन में जातीय समीकरण को ध्यान में रखना।

6. 1) कट्टर पंथी विचारधारा वाले लोग।

2) धार्मिक आधार पर मतों का ध्रुवीकरण।

3) धर्म के आधार पर लोगों को चुनाव में प्रत्याशी घोषित करना।

4) साम्प्रदायिक हिंसा और खून खराबा।

5) साम्प्रदायिक दिशा में राजनीति की गतिशीलता।

6) साम्प्रदायिकता के आधार पर राजनीतिक दलों का अलग-अलग खेमों में बँट जाना। जैसे- आयरलैंड में नेशलिस्ट और यूनियनिस्ट पार्टी।

7. महिलाओं के राजीतिक और वैधानिक दर्जे को ऊँचा उठाने, उनके लिए शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने की माँग और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने की माँग करने और उनके व्यक्तिगत एवं पारिवारिक जीवन में बराबरी की माँग करने वाले आंदोलन को नारीवादी आंदोलन कहते हैं।

विशेषताएँ :-

1) यह आंदोलन महिलाओं के राजनैतिक अधिकार और सत्ता पर उनकी पकड़ की वकालत करता है।

2) इसमें महिलाओं को घर की चार-दीवारी के भीतर कैद रखने और घर के सभी कामों का बोझ डालने का विरोध सम्मिलित है।

3) यह पितृसत्तात्मक परिवार को मातृसत्तात्मक बनाने की ओर अग्रसर है।

4) महिलाओं की शिक्षा तथा देश के विभिन्न क्षेत्रों में उनके व्यवसाय, सेवा आदि का समर्थक है।

5) यह महिलाओं के हर प्रकार के शोषण का विरोध करता है।

8. 1) साक्षरता की दर - महिलाओं में साक्षरता की दर 54 प्रतिशत है जबकि पुरूषों में 76 प्रतिशत।

2) ऊँचा वेतन और ऊँची स्थिति के पद, इस क्षेत्र में पुरूष महिलाओं से बहुत आगे हैं।

3) असमान लिंग अनुपात - अभी भी प्रति 1000 पुरूषों पर महिलाओं की संख्या 933 है।

4) घरेलु और सामाजिक उत्पीड़न

5) जन प्रतिनिधि संस्थाओं में कम भागीदारी अथवा प्रतिनिधित्व।

6) महिलाओं में पुरूषों की तुलना में आर्थिक आत्मनिर्भरता कम।

9. अनुसूचित जातियाँ : वे जातियाँ जो हिन्दू सामाजिक व्यवस्था में उच्च जातियों से अलग और अछूत मानी जाती हैं। जो दलित के रूप में मानी जाती हैं तथा जिनका अपेक्षित विकास नहीं हुआ है।

अनुसूचित जनजातियाँ : ऐसा समुदाय जो साधारणतया पहाड़ी और जंगली क्षेत्रों में रहते हैं और जिनका बाकी समाज से अधिक मेलजोल नहीं है। साथ ही उनका विकास नहीं हुआ है।

अनुसूचित जातियों का प्रतिशत 16.2 प्रतिशत तथा अनुसूचित जनजातियों का प्रतिशत 8.2 प्रतिशत है।

10. 1) महिलाओं में राजनीतिक जागरूकता का अभाव है।

2) पुरूष अभी भी महिलाओं को आगे आने नहीं देते।

3) राजनीतिक दल महिलाओं को उनकी जनसंख्या के अनुपात में टिकट नहीं देते।

4) महिलाओं में शिक्षा का अभाव है।